

नहस वि. (अर.) 1. अशुभ, अमांगनिक, मनहूस  
या. नहसकदम-जिसका आना अशुभ हो, नहसरू-  
जिसका दर्शन अशुभ हो।

नहसुत स.क्रि. (तत्.) नख की रेखा खींचना,  
नाखून का निशान पुं. (तद्.) पनाश सदृश पेड़।

नांठना/नाठाना स.क्रि. (तद्.) 1. नष्ट या खराब  
करना 2. ध्वस्त करना अ.क्रि. (तद्.) नष्ट  
होना।

नांत वि. (तत्.) जिसका अंत न हो, अनंत,  
असीम।

नांदिकर (नांदीकर) पु. (तत्.) 1. नाटक के प्रारंभ  
में नांदीपाठ करने वाला 2. नाटक के प्रारंभ में  
मंगलाचरण के रूप में भेरी आदि बजाने वाला  
व्यक्ति।

नांदी स्त्री. (तत्.) 1. अभ्युदय, समृद्धि 2. नांदी  
आशीर्वादात्मक श्लोक जिसका पाठ प्रारंभ में  
किया जाता है 3. मंगलाचरण।

नांदीक पुं. (तत्.) 1. तोरण स्तंभ 2. नांदीमुख  
श्राद्ध।

नांदीकर पुं. (तत्.) नाट्य. नांद पाठ करने वाला,  
नाटक के प्रारंभ में मंगल-भेरी बजाने वाला।

नांदीघोष पु. (तत्.) मंगलध्वनि, किसी शुभ कार्य  
से पहले भेरी शहनाई आदि की ध्वनि।

नांदीनाद पु. (तत्.) हर्षनाद, प्रसन्नता से चिल्लाने  
की ध्वनि।

नांदीपट पु. (तत्.) कुएँ का मुख ढक्कने के लिए  
लकड़ी आदि का ढक्कन, नांदी मुख।

नांदीपाठ पु. (तत्.) नाटक के प्रारंभ में सूत्रधार  
द्वारा किया जाने वाला मांगलिक पाठ या  
आशीर्वादात्मक स्तुति।

नांदीमुख पु. (तत्.) 1. कुएँ के ऊपर का ढक्कन  
2. मांगलिककार्यों से पूर्व पितरों की प्रसन्नता के

लिए किया जाने वाला श्राद्ध 3. वह पितर जिनके  
लिए यह श्राद्ध किया जाता है।

नांदीमुखी स्त्री. (तत्.) 1. छंद. एक समवर्णिक  
छंद जिसके प्रत्येक चरण में दो नगण, दो तगण  
और दो गुरु ( न न त त ग ग) के योग से 14  
वर्ण होते हैं और 7-7 पर यति होती है 2. नांदी  
मुख श्राद्ध में हिस्सा प्राप्त करने वाली स्त्री।

नाँउ/नाँऊ/नाँव पु. (तद्.) नाम।

नाँखना/नाँखणा स.क्रि. (देश.) 1. गिराना, डालना  
2. टपकाना, बहाना 3. पटकना, पछाड़ना 4.  
नष्ट करना 5. परित्याग करना, छोड़ना।

नाँघना स.क्रि. (देश.) लाँघना, उल्लंघन करना।

नाँद स्त्री. (तद्.) पशुओं को पानी, चारा आदि  
खिलाने के लिए चौड़े मुँह वाला मिट्टी आदि का  
बना पात्र।

नाँदना अ.क्रि. (तत्.) 1. नाद या शब्द करना 2.  
शोर करना, चिल्लाना 3. बजना 4. गद-गद होना  
5. छींकना 6. प्रसन्न होना 7. दीपक की लौ  
का भभकना।

नाँव पुं. (तत्.) अपने आप उगने वाला धान।

नाँवगर पुं. (तद्.) मल्लाह, माँड़ी, नाविक।

नाँवा पुं. (तद्.) 1. नाम 2. नकद रुपये और  
सिक्के 3. दाम, मूल्य 4. बही खाते में किसी के  
नाम लिखी रकम।

नाँह पुं. (तद्.) पति, स्वामी, मालिक।

ना अव्य. (तद्.) न अथवा नहीं के रूप में प्रयोग  
किए जाने वाला प्रत्यय प्रयो. ना, ऐसा मत करो  
2. अस्वीकृति या असहमति का सूचक शब्द  
(अव्य.) आग्रह करने या बल देने के लिए प्रयुक्त  
शब्द प्रयो. जाओ ना देर मत करो पुं. 1. नाभि  
2. नर 3. प्रत्यय रूप में धातुओं के साथ लगने  
वाला शब्द जैसे- पढ़ना, जाना, लिखना 4. फारसी